Review Of Research
Vol. 4 | Issue. 3 | Dec. 2014
Impact Factor : 2.1002 (UIF)
ISSN:-2249-894X
Available online at www.lbp.world

ORIGINAL ARTICLE

विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले एवं समाज कल्याण अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का शारीरिक क्षमता के आधार पर मानसिक स्वास्थ तथा व्यक्तित्व का अध्ययन

प्रा. रमेश बन्सोड[१] , डॉ. जयकिशन संतोषी[२]
[१]अनुसंधानकर्ता , बी. कॉम, एम.पी.एड.
[२]मार्गदर्शक

सारांश

प्रस्तुत अनुसंधान के अध्ययन द्वारा हासिक किये गये परिणाम प्रशिक्षक, छात्रावास प्रमुख, शिक्षक तथा समाजकल्याण विभाग के अधिकारी सहित सभी छात्रावास के अधिकारियों के लिए भी लाभप्रद होंगे, जिनकी सहायता से छात्रों के मानसिक स्वास्थ एवं व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए नयी योजनाओं को कार्यान्वय कर सकेंगे।

प्रस्तावना

'स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है' विश्व स्वास्थ संगठन के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति वह है जो शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तीनों दृष्टियों से ठिक ठाक है। केवल बिमारियों से मुक्त होना या शरीर से दृष्ट पुष्ट होना ही काफी नही है, व्यक्ति को मानसिक दृष्टि से भी स्वस्थ होना चाहिए, और सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी नागरिक भी। आज मनुष्य अपने शारीरिक स्वास्थ को कायम रखने के लिए प्रत्येक सम्भव प्रयत्न करने का प्रयास करता है। शारीरिक दक्षता तथा स्वास्थ भले ही दो पृथक-पृथक शब्द है, फिर भी इनके बीच गहरा सम्बन्ध है। अतः प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य तथा शारीरिक दक्षता दोनों को कायम रखने में व्यस्त है।

स्वास्थ की संकल्पना समय, स्थिती एवं समाज के अनुरूप परिवर्तित होती रहती है। प्राचीन भारत में केवल उसी व्यक्ति को स्वस्थ माना जाता था जिसका शरीर एवं मस्तिष्क दोनों ही पूर्णरूप से सक्षम होते थे किन्तु मध्य युग मे स्वस्थता की परिकल्पना शारीरिक सक्षमता तक ही सिमित होकर रही गयी इस परिवर्तन की पृष्ठ-भूमि का कारण उस काल के सामाजिक वातावरण से संबंधित था। बीसवीं शताब्दी में पुनः मानसिक स्वस्थता को स्वास्थ का एक अभिन्न अंग माना जाने लगा और इसी परिवेश में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वास्थ्य की परिभाषा में शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक पहलुओं को समान महत्व दिया है।

तालिका क्रमांक – १

विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास एवम् समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ के भाग–१ संवेगात्मक स्थिरता का मध्यमान

चर	मध्यमान१	मध्यमान२	मध्यमान अंतर	प्रमाप विभ्रम	'टी' अनुपात
संवेगात्मक स्थिरता	११.५४	१२.२९	०.७५	०.१६४	४.५५२३

विश्वसनीयता के ०.०५ स्तर पर सार्थक सारणी 'टी' अनुपात १.९६

***मध्यमान* १–** विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के भाग–१ संवेगात्मक स्थिरता का मध्ययान.

***मध्ययान* २–** विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के भाग–१ संवेगात्मक स्थिरता का मध्यमान.

तालिका क्र. १ यह दर्शाता है कि विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास एवम् समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य के भाग–१ संवेगात्मक स्थिरता का मध्यमान क्रमशः ११.५४ व ३६. १८ है। चर के मध्यमान मूल्यांकों में परिणामी अपचयन १.८१ था। जिसमें 'टी' परीक्षण सांख्यिकीय दृष्टि से उल्लेखनीय पाया गया। तालिका का विश्लेषण यह सिद्ध करता है कि मध्यमान के मध्य सार्थक भिन्नता है। क्योंकि परिगणन के आधार पर प्राप्त 'टी' अनुपात ५.९२ जो सार्थक भिन्नता के लिए सारणी 'टी' अनुपात १.९६ से अधिक है। यहा की गई परिकल्पना अस्विकृत की जाती है।

तालिका क्रमांक–२

विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास एवम् समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ के भाग–२ संवेगात्मक संपूर्ण समायोजन का मध्यमान

चर	मध्यमान१	मध्यमान२	मध्यमान अंतर	प्रमाप विभ्रम	'टी' अनुपात
संपूर्ण समायोजन	३४.३७	३६.१८	१.८१	०.३०५	५.९२

विश्वसनीयता के ०.०५ स्तर पर सार्थक सारणी मान– १.९६

***मध्यमान* १–** विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के भाग–२ संपूर्ण समायोजन का मध्ययान

***मध्ययान* २–** विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के भाग–२ संपूर्ण समायोजन का मध्यमान.

तालिका क्र. २ यह दर्शाता है कि विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास एवम् समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य के भाग–२ संपूर्ण समायोजन का मध्यमान क्रमशः ३४.३७ व १२.५९

है। चर के मध्यमान मूल्यांकों में परिणामी अपचयन ०.७५ था। जिसमें 'टी' परीक्षण सांख्यिकीय दृष्टि से उल्लेखनीय पाया गया। तालिका का विश्लेषण यह सिद्ध करता है कि मध्यमान के मध्य सार्थक भिन्नता है। क्योंकि परिगणन के आधार पर प्राप्त 'टी' अनुपात ४.५५ जो सार्थक भिन्नता के लिए सारणी 'टी' अनुपात १.९६ से अधिक है। यहा की गई परिकल्पना अस्विकृत की जाती है।

तालिका क्रमांक ३

विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास एवम् समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के व्यक्तित्व परीक्षण का मध्यमान

चर	मध्यमान१	मध्यमान२	मध्यमान अंतर	प्रमाप विभ्रम	'टी' अनुपात
व्यक्तित्व	८०.१३	८०.८	०.६७	०.५७५	१.१६३

विश्वसनीयता के ०.०५ स्तर पर सार्थक सारणी मान– १.९६

मध्यमान १– विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों के व्यक्तित्व परिक्षण का मध्ययान

मध्ययान २– विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों व्यक्तित्व परिक्षण का मध्यमान.

तालिका क्र. ३ यह दर्शाता है कि विदर्भ के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास एवम् समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य के भाग–२ व्यक्तित्व परिक्षण का मध्यमान क्रमशः ८०.१३ व ८०.८ है। चर के मध्यमान मूल्यांकों में परिणामी अपचयन ०.६७ था। जिसमें 'टी' परीक्षण सांख्यिकीय दृष्टि से उल्लेखनीय पाया गया। तालिका का विश्लेषण यह सिद्ध करता है कि मध्यमान के मध्य सार्थक भिन्नता है। क्योंकि परिगणन के आधार पर प्राप्त 'टी' अनुपात १.१६३ जो सार्थक भिन्नता के लिए सारणी 'टी' अनुपात १.९६ से अधिक है। यहा की गई परिकल्पना स्विकृत की जाती है।

निष्कर्ष

- विदर्भ के समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य के भाग–१ संवेगात्मक स्थिरता (Emotional Stability) का मध्यमान– ११.५४, समाजकल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का संवेगात्मक स्थिरता का मध्यमान १२.२९ है। दोनो समूह के मध्य मानसिक स्वास्थ के संवेगात्मक स्थिरता के आयाम पर ०.०५ (t=४.५५) के सार्थकता स्तर पर भिन्नता पाई गई।
- विदर्भ के समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले छात्रावास में रहनेवाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य के भाग–२ संपूर्ण समयोजन (Overall Adjustment) का मध्यमान– ३४.३७, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत नही आनेवाले छात्रावास से रहनेवाले छात्रों का मध्यमान– ३६.१८ है। दोनों समूह के मध्य मानसिक स्वास्थ्य के संपूर्ण समायोजन इस आयाम पर ०.०५ (t=५.९२२) के सार्थकता स्तर पर भिन्नता पाई गयी।

संदर्थ ग्रथं सूची

- पाण्डेय, लक्ष्मीकांत 'भारतीय खेलों का मीमांसा' (नई दिल्ली: मैट्रोपोलिटन बुक कम्पनी, प्रा. लि. नेताजी सुभाष मार्ग १९८२).
- थानी योगराज, 'अन्तराष्ट्रीय खेल और भारत' अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-११०००२
- Pahuja V.K., "Statistical Bulletin" Swimming (B-712, Greenfield Colony, Aravilli Hills, Sujaj Kund Road, Faridabad-121010.)
- National Games '94, Pune- Bombay, Sports Authority of India, Neraji Subhas National Institute of Sports Patiala, India.'
- Foundation of Physical Education and Sports (Monday St Louis New York.)
- खेल कूद विशेषांक, मुद्रक: डायमण्ड प्रिन्टिंग प्रेस, जयपूर.
- मनोरना इयर बुक, २०००
- मनोरना इयर बुक, २००३
- कॉनिकल इयर बुक, (क्रॉनिकल पब्लिकेशन प्रा. सी-६/५२, सफदरगंज, डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली).
- खेल-कूद विशेषांग (प्रिंटर्स मलयाला, मनोरमा प्रेस, कोट्यम).
- लोकमत समाचार १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९ फरवरी ०७
- 'नवभारत' नागपूर १०, १३, १४, १५, १९ फरवरी ०७.
- 'दैनिक भास्कर' नागपूर ०९, ११, १२, १४, १५, १९ फरवरी ०७.
- देशोन्नती १० फेब्रुवारी ०७
- Hitvadada 12, 14 Feb, 2007
- लोकराज्य, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, नवीन प्रशासन भवन, १७ वा मजला, मुंबई- ४०००३२, पे. १०-११, १५.